Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल का भ्रष्टाचार सूचकांक रिपोर्ट 2025

➢ चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में 11 फरवरी को ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल रिपोर्ट ने 2024 के लिए वैश्विक स्तर पर देशों के लिए भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (CPI, Corruption Perception Index) जारी किया है।
- 180 देशों की जारी इस सूची में भारत 96 वें स्थान पर है जिसका समग्र स्कोर एक अंक गिरकर 38 रह गया है।
- भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक वैश्विक देशों में सार्वजनिक क्षेत्रों में भ्रष्टाचार के कथित स्तरों के आधार पर 180 देशों को रैंक करता है।
- यह सूचकांक देशों को रैंक देने के लिए शून्य से 100 पैमाने का उपयोग करता है जिसमें शून्य अत्यधिक भ्रष्ट और 100 भ्रष्टाचार मुक्त देशों के रूप में सूचीबद्ध करता है।
- ज्ञातव्य है कि 2024 का इस पैमाने में समग्र स्कोर 38 है, जबकि 2023 में यह स्कोर 39 और 2022 में 40 था।
- वर्ष 2023 में भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत का 93 रैंक था।

➢ भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (CPI) के प्रमुख बिंदु :

- ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2024 में CPI स्कोर में गिरावट दर्ज की गई है।
- 2024 की भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (CPI) में डेनमार्क को सबसे कम भ्रष्ट देश के रूप में इंगित किया गया है जबकि दूसरे और तीसरे सबसे कम भ्रष्ट देशों की सूची में क्रमशः फिनलैंड और सिंगापुर को रखा गया है।
- डेनमार्क 90 CPI समग्र अंकों के साथ सबसे कम भ्रष्ट देशों में शामिल है।

❖ क्षेत्रीय तुलना :

- भारत के दक्षिण एशियाई पड़ोसी देश पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और चीन को भी इस रैंकिंग में निम्न स्थान दिया गया है।
- इस CPI रैंकिंग में चीन 76वें स्थान पर, श्रीलंका 121वें स्थान पर, पाकिस्तान 135वें स्थान पर और बांग्लादेश 149वें स्थान पर है।
- इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण–एशियाई देशों में भ्रष्टाचार एक बड़ी समस्या बनी हुई है और कई देश इस मसले को हल करने में बहुत कम प्रगति कर रहे हैं।
- इस रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि वैश्विक औसत भ्रष्टाचार स्कोर 43 पर स्थिर बना हुआ है तथा दो–तिहाई से अधिक देशों का CPI स्कोर 50 से नीचे है।
- ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने चेतावनी देते हुए अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दुनिया भर में भ्रष्टाचार का स्तर चिंताजनक रूप से ऊंचा बना हुआ है जो जलवायु परिवर्तन और मानवाधिकार उल्लंघन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के प्रयासों को झटका दे रहा है।

❖ पश्चिमी देश में गिरावट :

- ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की 2024 की CPI रिपोर्ट कई पश्चिमी देशों के भ्रष्टाचार स्कोर में चिंताजनक गिरावट का संकेत दे रहा है।
- पश्चिमी देशों में अमेरिका 69 अंक से गिरकर 65 पर तथा इसकी रैंकिंग 2023 के 24वें स्थान से गिरकर 28वें स्थान पर आ गई है।
- फ्रांस और जर्मनी जैसे देशों में रैंकिंग की गिरावट देखी गई है।
- रूस 2023 के चार अंको की गिरावट के साथ वर्ष 2024 में 22वें स्थान पर आ गया है।

❖ वैश्विक भ्रष्टाचार का खतरा :

- इस CPI रैंकिंग में दक्षिण सूडान और सोमालिया क्रमशः 8 और 9 अंक के साथ सबसे निचले स्थान पर है।
- इसके अलावा वेनेजुएला और सीरिया भी क्रमशः 10 और 12 अंकों के साथ सबसे भ्रष्ट देशों में शामिल है।

- ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने चेतावनी दी है कि भ्रष्टाचार न केवल आर्थिक विकास में बाधा है बल्कि यह लोकतंत्र, स्थिरता और मानवाधिकारों के लिए भी एक बड़ा खतरा है।
- इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक भ्रष्टाचार का स्तर चिंताजनक रूप से उच्च स्तर पर बना हुआ है और इसे कम करने के प्रयास विफल हो रहे हैं।
- इस रिपोर्ट में भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए तत्काल कार्यवाही करने की जरूरतों पर बल दिया गया है, जिसमें जलवायु परिवर्तन शमन प्रयासों को निजी क्षेत्र के हितों और अवैध धन को आकर्षित करने वाले वित्तीय केंद्रों के भ्रष्ट प्रभाव से बचाने पर विशेष जोर दिया गया है।

➢ जलवायु परिवर्तन पर भ्रष्टाचार का हानिकारक प्रभाव :

- ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की 2024 CPI रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों पर भ्रष्टाचार के हानिकारक प्रभाव को भी उजागर किया गया है।
- इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ता भ्रष्टाचार जलवायु निधियों का दुरुपयोग और निजी क्षेत्र का अनुचित प्रभाव उत्सर्जन को कम करने और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के अनुकूल होने के उद्देश्य नीतियों में बाधा डाल सकता है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि जलवायु कार्यवाई में भ्रष्टाचार से पर्यावरण को नुकसान होता है क्योंकि महत्वपूर्ण शमन और अनुकूलन प्रयासों के लिए निर्धारित धन की चोरी या दुरुपयोग किया जाता है।

➢ लोकपाल और लोकायुक्त एक्ट :

- भारत में लोकपाल का विचार पहली बार वर्ष 1963 में केंद्रीय कानून मंत्रालय के बजट आवंटन पर चर्चा के दौरान आया था।
- लोकपाल की मांग करने वाले बिलों को भारतीय संसद में 1968 और 2001 के बीच आठ बार पेश किया गया था लेकिन कभी पारित नहीं किया गया।
- हालांकि इस देश के कई राज्यों ने इस बीच अपने लोकायुक्तों की स्थापना की।
- इस मामले में महाराष्ट्र ने देश में पहली बार 1971 ई. में महाराष्ट्र लोकायुक्त अधिनियम के तहत इसे स्थापित किया।

- भारतीय संसद में लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम 2013 पास किया गया, जो 16 जनवरी 2014 को लागू हुआ।
- यह अधिनियम एक चेयरपर्सन की अध्यक्षता में एक लोकपाल की स्थापना का प्रावधान करता है।
- लोकपाल के चेयरपर्सन के रूप में भारत का मुख्य न्यायाधीश या कोई न्यायाधीश निर्दिष्ट रूप में पात्रता मानदंडों को पूरा करता है।
- इसके अधिकतम 8 सदस्यों में चार सदस्य न्यायिक विभाग के एवं चार सदस्य अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, ओबीसी और महिलाओं से होने का प्रावधान किया गया है।
- इस लोकपाल अधिनियम के अंतर्गत जांच के दायरे में प्रधानमंत्री, मंत्री, सांसदों, केंद्र सरकार के अधिकारियों और लोक सेवकों को रखा गया है।
- यह अधिनियम प्रधानमंत्री के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय संबंधों, बाहरी और आंतरिक सुरक्षा, सार्वजनिक आदेश, परमाणु ऊर्जा और स्थान से संबंधित आरोप की जांच की अनुमति नहीं देता है।
- इसके अलावे इस अधिनियम के तहत लोकपाल तब तक प्रधानमंत्री के खिलाफ शिकायतों की जांच नहीं करेगा जब तक कि पूर्ण लोकपाल बेंच इस जांच पर विचार नहीं करता और कम से कम इसके दो–तिहाई सदस्यों की मंजूरी नहीं मिल जाती है।
- लोकपाल के चेयरपर्सन व सदस्यों को 5 वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है।
- हालांकि 70 वर्ष की आयु होने के बाद इसके सदस्य स्वत: सेवानिवृत हो जाते हैं।
- भारत के पहले लोकपाल का अध्यक्ष वर्ष 2019 में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश पिनाकी चंद्र घोष को नियुक्त किया गया था।
- मई 2021 में पिनाकी चंद्र घोष की सेवानिवृत्ति के बाद झारखंड उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश प्रदीप कुमार मोहंती को लोकपाल अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था।
- वर्ष 2024 में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एम खानविलकर को भारत का लोकपाल नियुक्त किया गया था।

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.

Result Mitra

1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.

2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹

3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹

4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹

5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

कोर्स या Test Series के लिए

WhatssApp कीजिये

9235313184, 9235446806